



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकरण से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 122]

नई दिल्ली, बुध्पतिवार, मार्च 19, 1987/फाल्गुन 28, 1908

No. 122]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 19, 1987/PHALGUNA 28, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1987

अधिसूचनाएं

सं. 133/87—सीमाशुल्क

मा. का. नि. 295 (अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-  
शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 25  
की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)  
की अधिसूचना सं. 262/58—सीमाशुल्क, तारीख 11  
अक्तूबर, 1958 का अधिकांत करते हुए, अपना यह  
समाधान ही जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक  
है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51)  
की पहली अनुसूची के उपशीर्ष सं. 8901.10, 8901.20,  
8901.30, 8901.90, 8902.00, 8904.00, 8905.10,

8905.90 और 8906.00 के अंतर्गत आने वाले माल को,  
जब उसका भारत में आयात किया जाए,—

(1) उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्-  
ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से; और

(2) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3  
के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से,  
निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

(क) इस अधिसूचना के अधीन छूट ऐसे माल (अर्थात्,  
जलयान और अन्य प्लवी संरचनाओं) को उपलब्ध  
नहीं होगी जिसका ब्रेक अप के प्रयोजनों के लिए  
अयात किया जाता है, और

(ख) जब कोई ऐसा माल (अर्थात्, जलयान और  
अन्य प्लवी संरचनाएं) बाद में ब्रेक किए जाने  
के लिए आशयित है तो आयातकर्ता सीमाशुल्क  
कलक्टर को नया प्रवेशपत्र पेश करेगा और तब

ऐसा माल ऐसे शुल्क में प्रभार्य होगा जो ऐसे माल पर इस प्रकार सदेय होगा मानों ऐसा माल सीमाशुल्क कन्ट्रोलर को ऐसे नए प्रवेशपत्र के पेश किए जाने की तारीख का ऐसे माल के के ब्रेक अप के प्रयाजनों के लिए सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 46 के अधीन देशी उपभाग के लिए प्रविष्ट किया गया हो।

[फा. सं. 346/34/87-टी आर यू]

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 19th March, 1987

### NOTIFICATIONS

NO. 133/87-CUSTOMS

G.S.R. 295(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 262/58-Customs, dated the 11th October, 1958, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods falling under sub-heading Nos. 8901.10, 8901.20, 8901.30, 8901.90, 8902.00, 8904.00, 8905.10, 8905.90 and 8906.00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from,—

- (i) the whole of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule ; and
- (ii) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act :

subject to the conditions that—

- (a) the exemption under this notification shall not be available to such goods (that is to say, vessels and other floating structures) as are imported for the purposes of break-up ; and
- (b) any such goods (that is to say vessels and other floating structures), if subsequently are intended to be broken, the importer shall present a fresh bill of entry to the Collector of Customs, and thereupon such

goods shall be chargeable with the duty which would be payable on such goods as if such goods were entered for home consumption under Section 46 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) on the date of the presentation of such fresh bill of entry to the Collector of Customs for the purposes of break-up of such goods.

[F. No. 346/34/87-TRU]

सं. 134/87-सीमाशुल्क

सा. का नि. 296 (अ):—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1987 के खंड 95 के उपखंड (4), जो खंड अंतिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त वित्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 113/87-सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1987 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, :—

- (1) क्रम सं. 13 और उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा, और
- (2) क्रम सं. 289 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“290 सं. 134-सीमाशुल्क, तारीख 19 मार्च, 1987”।

[फा सं. 346/34/87-टी आर यू.]

सी. पी. श्रीवास्तव, अवर सचिव

NO. 134/87-CUSTOMS

G.S.R. 296(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 95 of the Finance Bill, 1987, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Finance Bill under the Provisional Collection of Tax Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government, being satisfied that it is in the public

interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 113/87-Customs, dated the 1st March, 1987, namely :—

In the Schedule to the said notification,—

- (i) Sl. No. 13 and the entry relating thereto shall be omitted ; and

- (ii) after Sl. No. 289 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and the entry shall be inserted, namely :—

“290-No. 134-Customs, dated the 19th March, 1987.”

[F. No. 346/34/87-TRU]

C. P. SRIVASTAVA, Under Secy.

